दैनिक जागरण
www.dainikjagranmpcg.com
भोपाल, 19 अप्रैल 2025

सत्यकथा

कोरबा : स्टूडेंट को इश्क जाल में फंसाकर लिव इन में रखने के बाद मास्टरजी ने कर दी हत्या

इश्क मास्टर

दिलफेंक टीचर मिलन दास से अपने से आधी उम्र की स्टूडेंट रिनी को तब कामसूत्र के सारे पाठ पढ़ा दिए थे जब वह 11 वीं कक्षा की छात्रा थी। मिलन और रिनी का दैहिक रिश्ता रिनी के कॉलेज टाइम में ही नहीं बल्कि उसकी शादी के बाद भी जारी रहा जिसके चलते रिनी पति के संग से केवल 15 दिनों में ऊब कर वापस 'मिलन' का पहला पाठ पढ़ाने वाले मिलन मास्टरजी के पास आ गई थी।

डॉ. देवेन्द्र साहू

demo pic.

3 फरवरी की दोपहर का वक्त था जब छत्तीसगढ़ में कोरबा जिले के पाली थाना प्रभारी विनोद सिंह को उनके थाना इलाके के एक गांव चैतुरगढ़ के कोटवार ने गांव की रामटेक पहाड़ी पर किसी युवती का अधजला शव पड़े होने की जानकारी दी।

गांव का एक आदमी सुबह जंगल में ईधन के लकड़ी लेने गया था उसी ने शव की जानकारी कोटवार को दी थी। सूचना मिलते ही टीआई विनोद सिंह ने मौके पर जाकर जांच की तो पाया कि लगभग 22-25 साल की युवती का निर्वस्त्र शव जंगल में अधजला पड़ा था। शव सड़ चुका था जिससे साफ था कि युवती की हत्या कम से कम 5-7 दिन पहले हुई है। इधर एसपी कोरबा के आदेश पर एएसपी नितेश ठाकुर एफएसएल की टीम लेकर मौके पर पहुंचे और घटना स्थल की बारीकी से जांच के बाद शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए कोरबा अस्पताल भेज दिया गया।

जलकर सड़ चुके शव की देखने से पहचान होना मुश्किल काम था। इसलिए टीआई शव के फोटो और लाश के साथ मिले सामान की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर शव की शिनाख्त होने का इंतजार करने लगे। इसी दौरान तीन दिन बाद पॉली थाने पहुंचे एक युवक ने पुलिस को बताया कि उसकी 25 वर्षीय बहन कटघोरा गांव में रहती थी जो 28 फरवरी से लापता है। उसने बताया कि मेरी बहन रिनी (बदला नाम) की शादी 2018 में पास के एक गांव में हुई थी लेकिन शादी के 15 दिन बाद ही वह अपने पति को छोड़कर वापस आ गई थी। बहन के साथ 28 फरवरी से मेरी बात नहीं हुई। इसलिए वह बहन का पता करने कटघोरा भी गया था जहां उसके साथ रहने वाले मिलन दास ने बहन के बारे में पूछने पर कोई साफ जबाव नहीं दिया।

उसके साथ रहने वाले से तुम्हारा गया मतलब है। तुम्हारी बहन पति को छोड़कर तुम्हारे पास नहीं रहती थी।

नहीं साहब वह एक मास्टर के साथ रहती थी उसी का नाम मिलन दास है।

मास्टर से शादी कर ली थी क्या उसने?

नहीं साहब बिना शादी किए ही दोनों साथ रहते थे। मास्टर की पत्नी और चार बच्चे तो गांव में रहते हैं।

ठीक है बाकी कहानी बाद में सुनेगे पहले तुम लाश के साथ मिला सामान देखकर बताओ की क्या यह सामान तुम्हारी बहन का है, कहते हुए टीआई विनोद सिंह ने लाश की कलाई में मिला ब्रेसलेट और कुछ फोटो उसके सामने रख दिए। लाश का एक हाथ जलने से बच गया था जिसके नाखूनों पर एक खास रंग का नेल पॉलिश लगा हुआ था। यह दोनों चीजें देखकर युवक ने शव की पहचान रिनी के रूप में कर दी। उसका कहना था कि ब्रेसलेट तो वह काफी सालों से पहन रही थी। दूसरे 27 फरवरी को वह बहन से मिलने उसके घर गया था उस समय बहन यही नेल पॉलिश लगा रही थी उसने बताया भी था वो इसे एक दिन पहले की 26 फरवरी को शिवरात्रि के मेले से खरीदकर लाई थी।

शव की शिनाख्त हो जाने पर टीआई ने राहत की सांस ली क्योंकि रिनी के भाई के बयानों से काफी हद तक हत्यारे की तस्वीर भी साफ हो चुकी थी। इसलिए पुलिस ने शव भाई को सौंप दिया जिससे उसने शव का अंतिम संस्कार पॉली में ही कर दिया। उसका कहना था कि बहन के मास्टर के संग बिना शादी किए साथ रहने के कारण गांव वालों ने उसके परिवार का बहिष्कार कर रखा है। इसलिए शव को गांव ले जाने पर एक भी आदमी संस्कार में शामिल होने नहीं आएगा। युवक की बात सुनकर पुलिस ने बहन के अंतिम संस्कार में उसकी मदद कर मिलनदास की तलाश शुरू कर दी। जिसे कोरबा की एक होटल से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में पहले तो वह रिनी की हत्या की बात से इंकार करता रहा लेकिन जब पुलिस ने थोड़ी सी सख्ती की तो उसने रिनी की बढ़ती पैसों की मांग और शादी करने की जिद से तंग आकर उसकी हत्या करने की बात स्वीकार कर ली। शव को ठिकाने लगाने में उसने अपने गांव रंगोले में रहने वाले सावन यादव की मदद ली थी इसलिए पुलिस ने सावन यादव को भी गिरफ्तार कर दोनों को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया जिसके बाद एक मास्टर द्वारा अपने से उम्र में आधी स्टूडेंट को प्रेम जाल में फंसाकर उसे लिव इन में साथ रखने के बाद हत्या कर देने की यह कहानी इस प्रकार सामने आई।

2012 की बात है। उस समय मिलन दास महंत जिले के शेष पृष्ठ 4 पर...

15 साल की स्टूडेंट से बना लिए थे शारीरिक संबंध

मृतका छात्रा।

आरोपी टीचर

जांच में सामने आया है कि टीचर मिलन दास ने अपनी स्टूडेंट रिनी को 15 साल की उम्र में ही वासना का शिकार बना डाला था। दोनों के अवैध रिश्तों का खेले रिन के कॉलेज में पढ़ने के दौरान भी जारी रहा।

ग्वालियर

आधी रात प्रेमिका को चॉकलेट खिलाने गए प्रेमी की हत्या

demo pic.

लास्ट चॉकलेट

पिछले पांच सालों की तरह इस बार भी गवेन्द्र पूरा वेलेंटाइन-डे वीक अपनी प्रेमिका के साथ मनाना चाहता था। लेकिन उसे क्या पता था कि यह उसकी जिंदगी का आखिरी वेलेंटाइन-डे है।

प्रेमिका के भाईयों की मारपीट से घायल गवेन्द्र जिसकी उपचार के दौरान मृत्यु हो गई।

11 फरवरी के रात के कोई 12 बजे का वक्त था जब ग्वालियर के भितरवार थाना सीमा में बसे ग्राम सर्वा में रहने वाले भारत सिंह बघेल के मोबाइल पर उनके साले गवेन्द्र के नंबर से घंटी आई। जीजा को आधी रात वक्त वे-वक्त फोन करने का हक साले-सालियों को होता है लेकिन गवेन्द्र के नंबर आई घंटी इसलिए चौंकाने वाली थी क्योंकि गवेन्द्र उस दिन सर्वा में ही अपने जीजा के घर में मौजूद था। भारत के साथ बहन की शादी के बाद से ही गवेन्द्र का बहन के घर काफी आना जाना था। इस बार भी वह दो दिन पहले सर्वा आया था। बहरहाल भारत ने फोन अटैंड किया तो एक अंजानी आवाज से उसे सूचना दी गई कि तेरा साला दरवाजे के बाहर पड़ा है उसे ले जा। इतना कहकर सामने से फोन काट दिया गया।

निरंजन शर्मा,एएसपी

भारत तेजी से घर के बाहर आया तो देखा कि बुरी तरह से घायल गवेन्द्र पड़ोसी के मकान के दरवाजे पर पड़ा था। गवेन्द्र बेहोश था इसलिए भारत को समझने में देर नहीं लगी कि गवेन्द्र की यह हालत पड़ोस में रहने वाले गजेन्द्र, रतन और नरोत्तम ने की है जिनकी बहन के साथ गवेन्द्र का इश्क पिछले पांच-सात साल से चल रहा था। सूचना मिलने पर भितरवार थाना टीआई अतुल सिंह सोलंकी ने मौके पर पहुंचकर बुरी तरह घायल गवेन्द्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भेजा जहां से उसे जेएएच ग्वालियर रिफर कर दिया गया जहां इलाज के दौरान अगले दिन गवेन्द्र की मौत हो जाने पर भारत की रिपोर्ट पर भितरवार थाने में आरोपी गजेन्द्र, रतन और नरोत्तम बघेल के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर गजेन्द्र और रतन को गिरफ्तार कर लिया गया जबकि नरोत्तम बघेल फरार होने में कामयाब हो गया।

आरोपी गजेन्द्र व रतन।

गवेन्द्र के जीजा भारत का आरोप था कि आरोपियों ने गवेन्द्र को सड़क से अगवा किया था। जिसके बाद उन्होंने घर में ले जाकर उसके साथ बुरी तरह से मारपीट कर बाहर सड़क पर फेंक दिया। जबकि आरोपियों ने पहले तो भारत के आरोपों को सिरे से नकारा लेकिन बाद में स्वीकार किया कि उन्होंने गवेन्द्र को आधी रात में अपनी जवान बहन के कमरे में रंगे हाथ पकड़ा था जिसके बाद उन्होंने उसे सबक सिखाने के लिए मारपीट की थी। उनका कहना था कि वे गवेन्द्र को कई बार अपनी बहन से दूर रहने की चेतावनी दे चुके थे लेकिन वह उनकी बात एक कान से सुनकर दूसरे से निकाल देता था। पुलिस ने आरोपियों पास से लाठी आदि बरामद कर उन्हें अदालत में पेश किया जहां से उनको जेल भेज देने के बाद ऑनर किलिंग की यह दास्तां इस प्रकार सामने आई।

जीजा का आरोप सड़क से उठाकर पीटा

मृतक गवेन्द्र के बहनोई भारत का आरोप है कि आरोपियों का यह कहना गलत है कि मेरा साला उनके घर में घुसा था। सच तो यह है कि आरोपियों ने उसे सड़क से उठाकर अपने घर में ले जाकर पीटा था जिससे उसकी मृत्यु हो गई।

सर्वा गांव निवासी भारत सिंह बघेल की शादी कोई 15 साल पहले शिवपुरी जिले के सीहोर थाना इलाके के गांव बरऊआ में हुई थी। उस समय भरत का साला गवेन्द्र महज 5-6 साल का होने के कारण अपनी बहन का बेहद लाड़ला था इसलिए वह अक्सर अपनी बहन के घर सर्वा आकर महीनों रहकर आसपास के बच्चों के साथ खेलता कूंदता था जिनमें एक रानी (बदला नाम)भी थी जो गवेन्द्र के जीजा के पड़ोस में रहती थी। दूसरे बच्चों के साथ गवेन्द्र के बचपन का एक बड़ा हिस्सा रानी के साथ खेलते कूंदते बीता लेकिन किशोर उम्र में आते ही रानी के घर से बाहर आकर खेलने पर रोक लग जाने से बचपन की दोस्ती वहीं थम गई।

वक्त गुजरता गया और गुजरते वक्त के साथ गवेन्द्र भी किशोर उम्र पार कर जवानी की तरफ बढ़ने लगा। गवेन्द्र की जिंदगी में काफी कुछ बदल गया था बस नहीं बदला था भाई-बहन का स्नेह जिसके चलते गवेन्द्र का अभी भी अपनी बहन के घर काफी आना जाना था। वह जब भी सर्वा आता तो हफ्ते-दस दिन बहन के साथ रहकर ही जाता था।

कोई पांच साल पहले की बात है। उस समय बहन के गांव आया गवेन्द्र गांव के एक शादी समारोह में शामिल हुआ तो वहां परियों की तरह सजकर आई रानी को देखता ही रह गया। उसने आगे बढ़कर रानी से बात की तो रानी को भी अपने बचपन के दोस्त से मिलकर बहुत अच्छा लगा इसलिए उसने गवेन्द्र के मांगने पर अपना फोन नंबर उसे दे दिया। जिसके बाद गवेन्द्र अक्सर रानी से फोन पर बातें करने लगा। इन्हीं बातों के दौरान दोनों की दोस्ती बढ़ती गई जिसके साथ दोनों ने ही महसूस किया कि वे एक दूसरे से प्यार करने लगे है। इसलिए कुछ शर्म, डर और झिझक के बाद उनकी प्रेम कहानी फोन पर शुरू हो गई।

चंबल के इलाके में इश्क मोहब्बत का खेल आसान नहीं होता। यहां इज्जत के नाम पर गोलियां गूंजने में देर नहीं लगती। लेकिन गवेन्द्र और रानी दोनों एक ही समाज के थे। गवेन्द्र भी संपन्न परिवार से था इसलिए रानी को भी भरोसा था कि उसके घर वालों को गवेन्द्र के साथ उसका रिश्ता स्वीकार करने में कोई ऐतराज नहीं होगा।

इधर फोन पर इश्क का रंग चढ़ा तो दोनों एक दूसरे से मिलने के लिए तड़पने लगा। इसलिए गवेन्द्र के बार-बार कहने पर रानी उससे गांव के बाहर चोरी छुपे मिलने राजी हो गई। कहना नहीं होगा कि एक बार दो जवान दिलों ने एक दूसरे की धड़कनों को इतने पास से महसूस किया तो उनका मन बार बार मिलने के लिए मचलने लगा। जिसके चलते गवेन्द्र का सर्वा गांव आना-जाना काफी बढ़ गया।

इसी बीच चार साल पहले वेलेंटाइन-डे आया तो गवेन्द्र पूरे सप्ताह रानी के गांव में रहना और सातों दिन उससे चोरी छुपे मिलकर अपने प्यार को जी भरकर जिया।

लेकिन छोटे से गांव में इश्क की खुशबू फैलने में ज्यादा देर नहीं लगती। इसलिए जब समाज के ही दूसरे लोगों को इसकी खबर लगी तो रानी के भाई के एक दोस्त ने उसे इशारा कर दिया कि गवेन्द्र आजकल बहन के घर कुछ ज्यादा ही आ ने लगा है। इसलिए तुम्हें भी उसकी हरकतों पर नजर रखने की जरूरत है। अपने दोस्त का इशारा समझने में रानी के भाई ने गलती नहीं की।

उसने रानी की हरकतों पर नजर रखी तो जल्द ही साफ हो गया कि बहन-बहनोई से मिलने के लिए आने के बहाने गवेन्द्र रानी के संग इश्क लड़ा रहा है। इसलिए रानी के भाई ने पहले तो अपनी बहन की खबर ली और उसे हद में रहने की चेतावनी दे डाली। भाई के डर से रानी कुछ समय तक तो डरकर घर में कैद रही यहां तक की उसने गवेन्द्र का फोन तक उठाना बंद कर दिया लेकिन एक रोज मौका लगने पर उसने गवेन्द्र को पूरी बात बता दी। इसलिए गवेन्द्र भी संभल का रहने लगा लेकिन दोनों का इश्क लगातार चलता रहा।

गवेन्द्र ने रानी के गांव आना कम कर दिया था लेकिन फोन पर दोनों का इश्क लगातार परवान चढ़ता जा रहा था।

शेष पृष्ठ 7 पर...

इसलिए रात में गया था प्रेमिका के घर

बताया जाता है कि पिछले तीन चार साल से गवेन्द्र पूरा वेलेंटाइल-डे वीक प्रेमिका के गांव में ही गुजारता था। इस दौरान रानी से उसकी कई मुलाकातें भी

मृतक गवेन्द्र।

होती थी। लेकिन इस बार रानी के भाई ने गवेन्द्र के गांव में रहने तक रानी के घर से बाहर जाने पर रोक लगा दी थी इसलिए गवेन्द्र ने रात के समय रानी के घर जाकर उससे मिलने की योजना बनाई जो उसे मंहगी पड़ी।

धार

दो लड़कियों की मदद से जीजा को हनीट्रेप में फंसाकर साला लूटना चाहता था लाखों का माल

demo pic.

साले का जाल, जीजा शिकार

राजेन्द्र को मालूम था कि जीजा कपिल के संकट में फंसते ही कपिल की पत्नी मदद के लिए उसे ही पुकारेगी। जिसके बाद लाखों का माल अपने कब्जे में कर जीजा को अपने गिरोह की लड़कियों से मुक्त करवा देगा। लेकिन लालची ने जल्दबाजी दिखाते हुए कपिल की पत्नी के अलावा दूसरे रिश्तेदारों को भी फिरौती के लिए फोन कर दिया जिससे सभी पुलिस की गिरफ्त में आ गए।

11 फरवरी की दोपहर का वक्त था जब हरदा जिले के एक गांव में रहने वाले किसान कपिल जाट से इंदौर जाने वाली बस पकड़ी। पहली बार कपिल ऐसे काम के लिए घर से निकला था इसलिए उसका दिल जोरो से धड़क रहा था। लेकिन जिस तरह से आरती (बदला नाम) फोन पर बात करती थी उससे कपिल को आरती की शराफत पर पूरा भरोसा था। अभी तक आरती के साथ उसकी फोन पर ही बात होती रही थी। आज पहला मौका था जब दोनों की रूबरू मुलाकात होने वाली थी।

इंदौर से बस बदलकर कपिल धार पहुंचा जहां शाम चार बजे के आसपास उसने आरती को फोन कर उसके घर का पता पूछा। इस पर आरती से रिक्शा वाले से बात कर उसे अपना पता समझा दिया जिससे कुछ ही देर बाद रिक्शा वाले ने कपिल को इन्द्रपुरी कालोनी में एक मकान के बाहर छोड़ दिया।

कपिल ने देखा कि आरती पहले से दरवाजे पर खड़ी होकर उसके आने का इंतजार कर रही थी। आरती की यह बेताबी देखकर कपिल का मन गदगद हो गया। आरती उसे ससम्मान घर के अंदर ले गई और पलंग पर बैठाते हुए तिरछी मुस्कान के साथ पूछा- क्या लेंगे जनाब, ठंडा या गर्म या कुछ और ...., आरती ने लिपिस्टक लिपटे अपने होंठ का एक कोना दबाते हुए कहा।

अरे ठंडा, गर्म तो होता रहेगा आप बैठिए न।

यह कैसे हो सकता है। आप पहली बार मेरे घर आएं हैं स्वागत में मेरे अलावा कुछ तो स्वीकार कीजिए, कहते हुए खिलखिलाकर हंसते हुए आरती पलंग पर कपिल से एक दम सट कर बैठ गई। सीधा साधा किसान इससे पहले कभी ऐसे हालात से नहीं गुजरा था इसलिए ठंड के मौसम में भी उसके माथे पर पसीना झलक आया जिसे देख कंधे से अपने साड़ी का पल्लू हटाकर आरती उसके माथे का पसीना पोछने का नाटक करते हुए उसके ऊपर झुक गई।

कपिल भी कुछ देर तक खुद को भूलकर एक अलग ही दुनिया में खो गया फिर खुद हो संभालते हुए बोला, शादी में नहीं चलना क्या लेट हो रहे हैं।

शादी को गोली मारो जो पल सामने है उसे जियो, कपिल के काम में फुसफुसाते हुए आरती बोली तो कपिल ने भी खुद को हालात की नाव में छोड़कर उसके चप्पू आरती को थमा दिए। लेकिन इससे पहले की आरती नाव को किनारे ले जाती अचानक मकान का दरवाजा धकाते हुए दो महिलाएं और तीन पुरूष अंदर आकर कपिल पर आरती के संग बलात्कार का आरोप लगाते हुए मारपीट करने लगे।

कपिल ने उन्हें समझाने की कोशिश की कि उसने कुछ नहीं किया आरती ने ही उसे अपनी मौसेरी बहन की शादी में शामिल होने के लिए निमंत्रण दिया था। लेकिन उन्होंने उसकी एक नहीं सुनी।

काफी देर तक अपने साथ हो रही मारपीट के दौरान कपिल को समझ में आ चुका था तीन पुरुषों में से एक अनिल, साथ आई युवती मोना (बदला नाम) का पति है दूसरा आकाश, मोना का भाई और अधेड़ महिला राजो बाई मोना की मां है जबकि तीसरा व्यक्ति शुभदीप उस आरती का पति है जिसने सोशल मीडिया पर कपिल से दोस्ती करने के बाद उसे धार बुलाया था।

कपिल समझ चुका था कि वह किसी गिरोह के चंगुल में फंस गया है। क्योंकि अब तक वह मोना को पहचान चुका था जो उसे कुछ महीने पहले सोशल मीडिया पर दोस्ती कर इसी तरह से मिलने के लिए इंदौर बुलाती रही थी। लेकिन मोना काफी मार्डन किस्म की लड़की थी इसलिए कपिल उसके चक्कर में नहीं पड़ा था। कपिल जान चुका था कि मोना के सफल न होने पर ही गिरोह ने आरती से उसकी दोस्ती करवा कर चंगुल में फंसाया था।

वे सभी लगभग घंटे भर तक सभी कपिल के साथ मारपीट कर उसे पुलिस की धमकी देते रहे जिसके बाद अनिल ने कपिल से आरती के साथ उसके तथाकथित बलात्कार के बदले पैसा लेने की बात कही। जिस पर सबने एक मत होकर कपिल की पत्नी को उसके बंधक बनाने की खबर देते हुए 12 लाख रुपयों की मांग की।

इसके थोड़ी ही देर बाद कपिल के फोन पर एक नंबर से कॉल आया जिसके बारे में कपिल ने बदमाशों को बताया कि यह उसके साले राजेन्द्र का नंबर है। शुभदीप ने फोन अटैंड किया तो सामने से राजेन्द्र ने उससे कपिल के बारे में पूछा।

आश्चर्यजनक रूप से शुभदीप ने फोन पर कपिल को कहां बंधक बनाकर रखा है यह पूरा ठिकाना सही-सही राजेन्द्र को बता दिया। जिससे राजेन्द्र ने थोड़ी देर में वहां आने की बात कही।

कपिल को भरोसा था कि राजेन्द्र जरूर पुलिस लेकर आएगा। लेकिन कोई घंटे भर बाद राजेन्द्र ने फिर फोन कर अपने धार पहुंचने की खबर दी तो मोना का भाई आकाश बाहर जाकर उसे भी वहां ले आया। जिसके बाद बदमाशों ने राजेन्द्र को भी बंधक बनाकर उसके साथ भी मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान उन्होंने कपिल की पत्नी को भी वीडियो कॉल पर दोनों की लाइव पिटाई दिखाकर पैसा जल्द से जल्द देने की मांग की।

कपिल को 11 फरवरी की रात लगभग 8 बजे बंधक बनाया गया। जिसके चार घंटे बाद राजेन्द्र को भी वहां आने पर बंधक बना लिया था। जिसके बाद अगले दिन 12 फरवरी की शाम राजेन्द्र ने बदमाशों के सामने प्रस्ताव रखा कि वे उसे छोड़ दे ताकि वह पैसा लाकर दे सके। राजेन्द्र के इस प्रस्ताव पर बदमाशों ने उसे अगले दिन सुबह छोड़ने की बात कही।

इधर दूसरी तरफ 12 फरवरी की रात लगभग 11 बजे धार कोतवाली थाने पहुंचे अखिलेश नाम के एक युवक से टीआई समीर पाटीदार को अपने दोस्त कपिल को बंधक बनाकर धार में रखे जाने की खबर दी। मामला गंभीर था इसलिए टीआई श्री पाटीदार ने तत्काल कपिल के मोबाइल की लोकेशन ट्रेस कर रात लगभग 12 बजे पुलिस टीम के साथ अखिलेश को लेकर इन्द्रपुरी कालोनी के एक मकान पर दबिश देकर वहां से कपिल और राजेन्द्र को मुक्त करवाने के साथ कपिल को हनीट्रेप में फंसाने वाली आरती शर्मा, आरती के पति शुभदीप पिता देवीलाल यादव निवासी ग्राम चरई, अनिल पिता बाबूलाल सोनी और उसकी पत्नी मोना निवासी इन्द्रपुरी धार, अनिल का साला आकाश पिता छन्नू निवासी राजगढ़ धार को गिरफ्तार कर लिया।

शेष पृष्ठ 7 पर...

मंहगी पड़ी रईस बनने की जल्दबाजी

सुनीता के बयान दर्ज करती पुलिस।

बदमाशों को पूरा भरोसा था कि वे जल्द ही लखपति बनने वाले हैं। पुलिस कार्रवाई का डर उनको इसलिए नहीं था क्योंकि फिरौती की रकम लेने उनका अपना आदमी राजेन्द्र जाने वाला था जिस पर कपिल और उसकी पत्नी आंख बंद कर भरोसा करते थे इसलिए कपिल की पत्नी पर दबाव बनाने उन्होंने जल्दबाजी में कपिल के कुछ रिश्तेदारों को भी फोन कर दिया। इससे बात कपिल के परिचित अखिलेश तक पहुंच गई जो पुलिस को लेकर मौके पर पहुंच गया और आरोपियों के रईस बनने का सपना मिट्टी में मिल गया।

मोना से बात नहीं बनी तो आरती ने फेंका था जाल

आरोपी मास्टर माइंड साला राजेन्द्र।

कपिल से सोशल मीडिया पर दोस्ती कर पहले मोना ने उसे अपने जाल में फंसाने की कोशिश की थी लेकिन जब कपिल मोना की उम्र देखकर उसके जाल में नहीं फंसा तो मोना ने अपनी सहेली आरती की मदद से कपिल को जाल में फंसा लिया था। राजेन्द्र, कपिल का दोस्त और उसकी पत्नी का मुंहबोला भाई है। राजेन्द्र धार में रहकर गलत कामों से जुड़े दंपति मोना और अनिल सोनी का भी दोस्त है। मोना और अनिल जल्द से रईस बनना चाहते थे इसलिए राजेन्द्र ने उन्हें कपिल को फंसाने की योजना बताई थी।

आरोपी आकाश, शुभदीप और अनिल।

...पृष्ठ 1 से जारी

कोरबा में अशिक मिजाज शादीशुदा मास्टर ने किया प्रेमिका छात्रा का कत्ल

लाद गांव के हाई स्कूल में पदस्थ था। इसी साल उसके स्कूल में कक्षा 11 वीं एक बेहद ही खूबसूरत 15 साल की किशोरी रिनी ने प्रवेश लिया। मिलन दास दिलफेंक किस्म का इंसान था। चर्चा तो यह भी है कि वह

पहाड़ी पर इसी जगह मिला रिनी का अधजला शव।

जिस साल स्कूल में पदस्थ होकर आया था तभी से उसका नाम स्कूल में उसकी स्टूडेंट से जुड़ता रहा है। इसलिए रिनी जैसी खूबसूरत किशोरी को देखते की उसने रिनी को हासिल करने की ठान ली। मिलन दास जो उस समय रिनी से लगभग दो गुनी उम्र तीस साल का था, पहले से ही शादी शुदा था। उसकी पत्नी रंगोले गांव में रहती थी।

लदा गांव में मिलन दास किराये का कमरा लेकर अकेला रहता था। संयोग से मिलन दास के कमरे के सामने से होकर ही रिनी के घर का रास्ता था। इसलिए मिलन दास सुबह तैयार होकर खिड़की में खड़ा होकर रिनी के आने की राह देखने लगता और जैसे ही रिनी

किराये की स्कार्पियो से लगाया शव को ठिकाने

आरोपी टीचर मिलन दास और आरोपी ड्राइवर सावन यादव।

रिनी की हत्या करने के बाद मिलन दास दूसरे दिन सुबह अपने गांव रंगोले पहुंचा जहां से अपने एक परिचित ड्राइवर सावन यादव की स्कार्पियो गाड़ी किराये पर लेकर आया। जिसके बाद अगली रात में उसे शव को जंगल में ले जाकर सावन यादव की मदद से तीन लीटर पेट्रोल डालकर जला दिया।

उसके घर के पास पहुंचती वह खुद भी स्कूल जाने के लिए बाहर निकल आता। ऐसे में कुछ दिनों के बाद वह रिनी के साथ ही स्कूल आने लगा। इस दौरान उसने रिनी से एक रोज कहा कि रिनी तुम मेरी स्टूडेंट जरूर हो लेकिन न जाने मुझे क्यों ऐसा लगता है कि तुमसे मेरा पिछले जन्म का कोई न कोई रिश्ता जरूर है।

रिनी सुंदर होने के साथ-साथ बातूली भी थी सो अब तक अपने टीचर से काफी खुल चुकी रिनी ने हंसते हुए कहा हां हो सकता है सर पिछले जन्म में मैं आपकी टीचर रही हूं और आप मेरे स्टूडेंट। ऐसा कहकर रिनी जोर से हंसी तो मिलन दास बोला तुम हंसते हुए और भी ज्यादा सुंदर लगती हो।

टीचर के मुंह से अपनी सुंदरता की तारीफ सुनकर रिनी डर गई तो मिलन दास बोला अरे डरो नहीं भई मेरा कहने का मतलब तो केवल इतना है कि तुम जितनी सुंदर हो उससे तो यही लगता है कि भले की इस जन्म में न सही कम से कम अगले जन्म में जरूर तुम मेरी पत्नी बनकर पैदा होना।

धत्त कहते हुए रिनी शर्मा गई तो मिलन दास ने फिर मौका ताड़ते हुए कहा अरे वाह रिनी शर्माने में तुम सुंदर के साथ-साथ सेक्सी भी दिखती हो। वैसे एक बात बताओगी मुझे, मिलन दास ने आसपास किसी ओर को न देखकर रिनी से कहा।

पूछो?

अभी नहीं फिर कभी पूछूंगा। क्योंकि मुझे जो पूछना है वो एकांत में ही पूछा जा सकता है।

कहना नहीं होगा इस तरह मिलन दास धीरे-धीरे रिनी के चारों तरफ अपना जाल बुनने लगा। इसी बीच एक दिन रिनी ने बातों-बातों में उसे बताया कि उसको खीर बहुत पसंद है तो मिलन दास से झट से कहा तो ठीक है मैं कल सुबह खीर बनाकर रखूंगा। तुम स्कूल आते समय दस मिनट को मेरे घर आना तब तुम्हें खीर खिलाऊंगा।

रिनी ने मना तो किया लेकिन दूसरे दिन स्कूल आते समय मिलन दास ने उसे कमरे के दरवाजे पर खड़े होकर अंदर आने को कहा तो रिनी मना नहीं कर सकी। वैसे भी अब वह अपने से उम्र में दो गुने बड़े टीचर को अपना दोस्त मानने लगी थी। रिनी एक बार मिलन के कमरे पर आई तो वह उसे बार बार कमरे में अंदर बुलाने के बहाने निकालने लगा। जिसके चलते जब एक रोज रिनी ने उससे पढ़ाई के एक सवाल के बारे में पूछा तो मिलन बोला कल तुम घर आना वहां बता दूंगा।

जी।

और सुनो कल में तुमसे वह बात भी पूछ लूंगा जो उस रोज पूछना रह गया था।

ऐसी क्या बात है जो आप अकेले में पूछना चाहते हो।

कल आना सब पता चल जाएगा।

इसके बाद जब दूसरे दिन रिनी मिलन के घर पहुंची तो मिलन दास ने कहा अब बताओ पहले में तुम्हें पढ़ाऊं या पहले तुम मेरे सवाल का जबाव दोगी।

पहले आप सवाल पूछो।

गुड। रिनी तुम्हें याद है उस दिन मैंने तुमसे कहा था कि शर्माते समय तुम सुंदर के अलावा सेक्सी भी दिखती हो।

हां, तो?

पागल मुझे यह बताओ कि तुम केवल सेक्सी दिखती हो या सचमुच ही इतनी सेक्सी हो भी, कहते हुए मिलन दास से किशोर उम्र रिनी के गाल को हल्के से खींचा।

मुझे क्या पता।

क्यों किसी लड़के से कभी अकेले में नहीं मिली क्या?

नहीं।

अरे मैं तो समझता था कि तुम जैसी सुंदर लड़की तो कई बार लड़कों से अकेले में मिल चुकी होगी। लेकिन तुमने ठीक ही किया। तुम जानती हो कि जो तुम्हारी उम्र के लड़के होते हैं वो तो ठीक से प्यार करना भी नहीं जानते। वास्तव में तो लड़कियों को प्यार करने के लिए पहली बार उम्र में काफी बढ़े आदमी से मिलना चाहिए क्योंकि वे जानते हैं कि छोटी उम्र की लड़कियों के अंदर सेक्स कैसे जगाया जाता है।

मिलन दास की बात सुनकर रिनी चुपचाप बैठी रही तो मिलन दास बोला क्या तुम्हें जानना है कि लड़कियों में सेक्स कैसे जगाया जाता है।

अपने सर की बातें सुनकर रिनी का दिल जोर से धकड़ रहा था। इसलिए उससे कोई जबाव देते नहीं बना तो मिलन ने कहा देखो हां या न बोला वर्ना तुम जानती हो कि चुप रहने का मतलब हां होता है। इसलिए मैं इसे तुम्हारी हां मानकर सेक्स सिखाने लगा तो फिर बीच में तुम्हारे रोकने पर भी नहीं मानूंगा।

रिनी ने इस पर भी कोई जबाब नहीं दिया तो मिलन दास अपनी कुर्सी से उठकर उसकी तरफ बढ़ा तो रिनी ने घबड़ाते हुए कहा सर आज नहीं?

ठीक है आज नहीं जब तुम कहोगी तब। लेकिन मुझे एक बता दो कि आज क्यों नहीं?

बस ऐसे ही।

नहीं पूरी बात बताओ। क्योंकि मैं जानता हूं कि तुम भी मुझे प्यार करती हो तो फिर यह मना क्यों?

सर ऐसे में मां मेरी भाभी को भी भाई के कमरे में सोने नहीं जाने देती।

अच्छा तो यह बात है अरे यार इसमें छुपाने की क्या बात है अपने दोस्त को तो बता सकती हो न कि पीरियड चल रहा है। कोई बात नहीं दो दिन बाद आना। पर हां थोड़ा जल्दी आना ताकि हम दोनों स्कूल पहुंचने में लेट न हों।

जबाव में रिनी ने बिना मिलन दास की तरफ देखे सहमति में सिर हिला दिया।

इसके बाद सचमुच ही जब दो दिन के बार रिनी मिलन दास के कमरे में पहुंची तो लगभग 38 साल के हो चुके मिलन दास ने सोलह साल से भी कम उम्र की रिनी को कामसूत्र के सारे पाठ पढ़ा दिए। जिसके बाद रिनी भी खुद अपनी मर्जी से आए दिन मिलन दास के कमरे पर आने लगी। इतना ही नहीं घर में अकेली होने पर खुद रिनी ने मिलन दास को फोन कर अपने घर में मिलने के लिए बुलाना शुरू कर दिया। जल्द ही रिनी को कच्ची उम्र में ही शारीरिक सुख की लत लग गई तो वह कई बार मिलन दास के कहने पर स्कूल के किसी खाली कमरे में भी उससे मिलने के लिए तैयार रहने लगी।

शादीशुदा चार बच्चों के पिता मिलन दास की पत्नी स्टूडेंट के संग पति की देह-सुख कथा की जानकारी थी। इसलिए मिलन दास रिनी के साथ खुलकर सुख-सागर में डूबा था लेकिन समय के साथ रिनी अपने मास्टरजी से देह के बदले अधिकार मांगने लगी थी। उसकी इस मांग से परेशान होकर मिलन दास ने रिनी की हत्या कर शव को जंगल में ले जाकर फूंक दिया।

पति ने बता दी थी पिता को पूरी कहानी

रिनी शादी के बाद 15 दिन तक पति के घर में रही लेकिन उसने पति को अपने पास नहीं आने दिया था। इस बात की जानकारी बेटी के मायके लौट आने के बाद जब रिनी के पति ने अपने ससुर को दी तो वह समझ गए थे कि स्कूल मास्टर ने उनकी बेटी के तन के साथ दिमाग पर भी कब्जा कर रखा है।

महंगा पड़ा मास्टर का इश्क: मृतका रिनी।

यह सब दो साल तक चलता रहा। जिसके बाद बारहवीं की परीक्षा पास कर रिनी स्कूल छोड़कर कॉलेज में पढ़ने जाने लगी लेकिन मिलन दास के साथ उसके रिश्ते पहले की तरह लगातार बने रहे। देह सुख की चाहत में कभी वह मिलन दास के कमरे पर आ जाती हो कभी मिलन दास रिनी के घर पहुंच जाता। इसके लिए उसने इस दौरान रिनी के परिवार से भी नजदीकी बना ली थी। इसलिए रिनी के माता-पिता यही समझते रहे कि मास्टर साहब उसकी बेटी की काबिलियत के कारण उसकी मदद करते है।

तीन साल बाद रिनी की डिग्री की पढ़ाई भी पूरी हो गई तो मिलन दास के कहने पर रिनी परिवार वालों से पीजी करने की जिद करने लगी लेकिन पिता ने साफ कह दिया कि अब वह रिनी को आगे पढ़ाने के बजाय उसकी शादी करेंगे।

इस पर मिलन दास ने दिखावे के लिए रिनी की पिता की बात का समर्थन किया और अपनी पहचान का एक लड़का रिनी के लिए सुझाया। संयोग से रिनी के पिताजी को रिश्ता पसंद आ गया जिससे 2018 के शुरुआती महीनों में रिनी की शादी कर दी गई।

रिनी के पिता को मास्टर साहब के साथ बेटी के यूं खुलने से उनके रिश्ते पर शक होने लगा था इसलिए बेटी को विदा कर उन्होंने राहत की सांस ली। लेकिन उन्हें नहीं मालूम था कि रिनी का शादी के लिए यूं राजी हो जाना भी रिनी और मास्टर की साजिश है। दरअसल मिलन ने ही रिनी को शादी करने के लिए कहा था। उसका कहना था कि अगर तुम शादी से मना करोगी तो तुम्हारे पिता हमारे ऊपर शक करने लगेंगे और हमारा मिलना बंद हो जाएगा। इसलिए तुम शादी करके दस-पन्द्रह दिन में ही पति को छोड़कर वापस आ जाना इससे शादी करने का तुम्हारे पिता का गाना भी बंद हो जाएगा और हमारा मिलना और भी आसान हो जाएगा।

अपने प्रेमी शिक्षक की बात मानकर रिनी से शादी कर ली मगर पन्द्रह दिन तक पति को अपने पास नहीं आने दिया ओर 16 वें दिन ससुराल छोड़कर मायके वापस आने के साथ ही आगे कभी पति के घर न जाने की घोषणा भी कर दी।

बेटी की इस बात से परेशान पिता ने उसकी ससुराल वालों ने संपर्क किया तो वहां से जो जानकारी मिली उसे सुनकर उन्हें अपने ठगे जाने का अहसास होने पर उन्होंने मिलन दास के घर पर आने से रोक लगा दी। जिसके चलते दस दिन बाद ही अपने प्रेमी टीचर के कहने पर रिनी ने घर छोड़ दिया और एनटीपीसी जमनी पॉली में मिलन दास द्वारा लेकर दिए गए किराये के मकान में जाकर रहने लगी।

रिनी घर से आजाद हो गई तो मिलन दास खुलकर उससे मिलने जमनी पॉली के मकान पर जाने लगा। लेकिन यहां लोगों को मालूम था कि एक समय मिलन दास, रिनी का शिक्षक था इसलिए जब उसकी बदनामी होने पर दूसरे शिक्षकों ने मिलन दास को पद की मर्यादा बनाए रखने की सलाह दी तो वह जमनी पाली छोड़कर रिनी को साथ लेकर कटघोरा में आकर रहने लगा। कटघोरा में दोनों एक दूसरे के साथ लिव इन रिलेशन में खुलकर रहने लगे तो गांव के लोगों ने रिनी के परिवार का बहिष्कार कर दिया। लेकिन इस बात का रिनी ओर मिलन दास पर कोई असर नहीं हुआ।

इस बीच रंगोले गांव में अपनी तीन बेटियों ओर बेटे के साथ रहने वाली मिलन दास की पत्नी को पति की इस अय्याशी की जानकारी लग चुकी थी। लेकिन वह पति की इस आदत को 25 साल से जानती थी इसलिए उसके चुप रहने से खुश होकर मिलन दास न केवल अपनी पत्नी ओर बच्चों को खर्च देता रहा बल्कि उसने बड़ी बेटी की शादी भी कर दी। प्रेमी अपनी पत्नी ओर बच्चों पर कमाई खर्च करे यह बात रिनी को पसंद नहीं थी। इसलिए वह इस बात का विरोध करती थी। जिससे कभी कभी रिनी ओर मिलन दास में विवाद भी होने लगा।

जिस प्रकार वक्त हर घाव को भर देता है उसी तरह वक्त ही है जो हर दीवानगी में घुन बनकर उसे खोखला बनाने लगता है। फिर वासना का तो पुराना रिवाज है यह तभी तक सिर चढ़कर बोलती है जब तक की चोरी की हो। एक बार अपनी पसंद का व्यक्ति हासिल हुआ नहीं कि धीरे-धीरे उससे मन ऊबने लगता है।

लेकिन यहां मिलन दास ओर रिनी में इस मन के ऊबने का एक कारण ओर था। वह यह कि 26-27 की उम्र में रिनी की जवानी अपने पूरे शबाब पर थी इसलिए उसे शारीरिक सुख की चाहत पहले की तुलना में अधिक सिर उठाने लगी थी तो वही 50 की उम्र के पास पहुंच चुके मिलन दास के अंदर एक जवान युवती को शारीरिक सुख

पोस्टमार्टम के लिए ले जाया जाता मृतका का अधजला शव।

इरादे समझने के बाद भविष्य में आने वाली परेशानी को लेकर चिंतित रहने लगा। उसे यह भी डर था कि अगर उसने रिनी का ध्यान नहीं रखा तो रिनी उसे बलात्कार के आरोप में भी फंसा सकती है। इसलिए जवानी की भूल अब उसे भारी पड़ने लगी थी। क्योंकि एक तरफ जहां उसके अपने बच्चे बड़े होने से खर्च बढ़ रहा था वहीं अब रिनी भी अपने खर्च के लिए उससे हर महीने बड़ी रकम मांगने लगी थी। जिससे दोनों में विवाद बढ़ने लगा।

मायके के गांव वालों ने रिनी के परिवार का बहिष्कार कर रखा था लेकिन उसका भाई कभी-कभी उससे मिलने कटघोरा आता रहता था। 27 फरवरी को भी उसका भाई रिनी से मिलने कटघोरा आया तब रिनी शिवरात्रि के मेले

प्रेमिका छात्रा के साथ आरोपी मिलन दास।

प्रेमिका से उम्र में बड़ी है आरोपी की बेटी

अपनी स्टूडेंट को 6 साल तक लिव इन पार्टनर बनाकर रखने वाले आरोपी टीचर की पत्नी को अपने पति की अय्याशी की पूरी जानकारी थी। लेकिन वह जानती थी कि विरोध करने पर पति उसे छोड़ देगा तो वह अपने चार बच्चों को लेकर कहां जाएगी। इसलिए उसने पति के कुकर्मों की तरफ आंख बंद कर रखी थी। रिनी को संग रखने के बाद भी आरोपी अपनी पत्नी से भी संबंध बनाए हुआ था। उसने कुछ समय पहले की अपनी बड़ी बेटी की शादी की थी जो उसकी प्रेमिका रिनी की उम्र से एक साल बड़ी है।

साजिश रचकर की थी दूसरे युवक से शादी

जांच में यह बात भी निकलकर सामने आई है कि उम्र होने पर रिनी के पिता उसकी शादी करने की जिद करने लगे थे।

मिलन दास जानता था कि अगर रिनी शादी से मना करती रहेगी तो उसके पिता को मिलन और रिनी के रिश्तों पर शक हो सकता है। इसलिए उसने साजिश रचकर रिनी के शादी कर पति को छोड़ देने की योजना बनाई थी ताकि रिनी के पिता फिर उस पर शादी का दबाव न बना सके।

देने की क्षमता कम होती जा रही थी। इससे रिनी समझ गई कि एक दिन ऐसा भी आ सकता है जब मिलन दास को उसकी क्या किसी भी लड़की की जरूरत ही न महसूस हो तब उसका क्या होगा? वह तो मिलन की संपत्ति की कानूनी हकदार भी नहीं है। इसलिए वह मिलन दास पर शादी करने का दबाव बनाने लगी।

मिलन दास ने रिनी के साथ शादी करने का तो कभी सोचा भी नहीं था। इसलिए जब उसने इसके लिए टाला तो रिनी इस कोशिश में रहने लगी कि वह किसी न किसी तरह से मिलन के बच्चे की मां बन जाए ताकि मिलन दास को मजबूरी में उसे अपनी जायजाद का हिस्सा देना पड़े।

मिलन दास ने दुनिया देखी थी इसलिए वह रिनी के से लाया नया नेल पॉलिश लगा रही थी।

इसके अगले दिन रिनी ने शाम के समय मिलन दास से खर्च के लिए पैसा मांगा तो मिलन दास ने उसे पैसा देने से मना कर दिया इस पर दोनों के बीच विवाद बढ़ा तो मिलन दास ने गला दबाकर रिनी की हत्या कर शव को जंगल में ले जाकर पेट्रोल की मदद से जला दिया। लेकिन दस दिन बाद शव की शिनाख्त हो जाने से अपनी स्टूडेंट को किशोर उम्र सेक्स का पाठ पढ़ाने और उसे शादी के बाद पति से अलग कर अपने साथ लिव इन में रखने वाले कलयुगी शिक्षक को पुलिस ने सलाखों के पीछे डाल दिया।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

कानपुर

बेगमों की नहीं-नहीं, अभी नहीं से परेशान दो दोस्तों ने किशोर को वासना का शिकार बनाकर कर दी हत्या

नजर अली उर्फ हुसैनी और अजहर दोनों की शादीशुदा हैं लेकिन पवित्र माह के चलते अपनी बेगमों द्वारा जिस्मानी ताल्लुकात कायम करने से इंकार के चलते उनका खून नशों में उबाल मार रहा था। इसलिए जब उन्हें कुछ और नहीं सूझा तो अपने ही दोस्त के नाबालिग भाई के साथ कुकर्म कर उसकी हत्या कर दी।

5 मार्च की शाम रोज की तरह जिम गया 13 साल का बेटा असलम (बदला नाम) रात 9 बजे तक घर वापस नहीं आया तो कानपुर के बिल्होर कोतवाली इलाके के मकनपुर गांव में रहने वाले रईस प्रापर्टी डीलर ने बिल्होर कोतवाली में बेटे के अपहरण का मामला दर्ज करवा दिया। छोटे से कस्बे में रईस परिवार के बेटे के लापता हो जाने से लगभग पूरा गांव उसकी तलाश में जुट गया लेकिन 6 मार्च का सूरज उगने तक असलम की कोई खबर नहीं लगी।

मामला रईस परिवार के बेटे की गुमशुदगी का था इसलिए एसीपी अमरनाथ नेतृत्व में लगभग आधा सैकड़ा पुलिस बल असलम की तलाश में लगा था। रात भर की खोजबीन के बाद सुबह एक बार फिर गांव के लोग असलम के घर के बार जमा हो गए थे। इसी दौरान असलम में सबसे बड़े भाई के एक दोस्त नजर अली उर्फ हुसैनी ने उससे पूछा क्या कोई फिरौती के फोन या मैसेज आया है?

नहीं अभी तक तो नहीं आया।

अरे तेरे घर में बीसियों फोन हैं जरूरी नहीं की अब्बू के मोबाइल पर ही फोन, मैसेज आए तू अपना फोन चेक कर।

हुसैनी के कहने पर असलम के बड़े भाई से अपना मोबाइल चेक किया तो उस पर सचमुच ही असलम को किडनेप करने की बात करते हुए शाम पांच बजे तक दस लाख रुपए का इंतजाम कर लेने का मैसेज पड़ा था।

यह जानकारी लगते ही पुलिस चौकन्नी तो हो गई साथ ही साथ उसकी एक नजर खुद हुसैनी पर जम गई जिसने असलम के भाई से फिरौती के मैसेज चेक करने अपना मोबाइल देखने की सलाह दी थी।

इसी बीच सुबह दस बजे तक पुलिस की एक टीम असलम की जिम के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज निकाल चुकी थी जिनकी जांच में सामने आया कि जिम से बाहर निकलते ही हुसैनी और अजहर दोनों असलम से बात करते दिखे जिसके बाद असलम दोनों के साथ मोटर साइकल पर सवार होकर वहां से निकला था।

हुसैनी पर पुलिस को शक तो पहले से ही था इसलिए जैसे ही सीसीटीवी कैमरे ने अपनी गवाही दी पुलिस ने तत्काल नजर अली उर्फ हुसैनी को घर से उठाकर उसके साथ सख्ती से पूछताछ की। जिसमें उसने थोड़ी सी न नुकुर के बाद अजहर के साथ मिलकर कुकर्म के बाद असलम की हत्या कर लाश को पास ही एक कुएं में फेकने की बात स्वीकार कर ली। जिसके चलते पुलिस ने कुएं से असलम का शव बरामद कर मोहल्ले के ही अनफ और अवशार को भी गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद पूरी कहानी इस प्रकार सामने आई।

आरोपी अजहर।

कानपुर की बिल्होर कोतवाली के मकनपुर गांव निवासी असलम के परिवार की गिनती गांव के बेहद रईस परिवारों में होती है। 13 वर्षीय असलम 11 भाई बहनों में सबसे छोटा है। चूंकि गांव मुस्लिम बाहुल्य है और असलम का परिवार गांव में रुतबे वाला है इसलिए असलम के दूसरे बड़े भाईयों के कई दोस्तों को घर में आना जाना था जिनके साथ असलम का भी अच्छा दोस्ताना था।

नजर अली उर्फ हुसैनी और अजहर, असलम के बड़े भाई के काफी नजदीकी दोस्त है सो असलम की भी इन दोनों से काफी अच्छी बनती है। हुसैनी और अजहर दोनों का निकाह हो चुका है। बताते हैं कि उनकी बेगम आपस में सगी बहने है जिसके चलते अजहर और हुसैनी एक दूसरे के साढू भी हैं। दोनों पुराने दोस्त है और निकाह से पहले मिलजुल का अय्याशी के लिए शिकार खोजा करते थे। इसलिए निकाह के बाद भी दोनों एक दूसरे की बेगम की खास आदतों की आपस में खूब खुलकर चर्चा किया करते थे। दोनों अश्लील फिल्मों के शौकीन थे और रोज नई फिल्म देखकर उसी फिल्म की तरह अपनी बेगमों के साथ संबंध बनाया करते थे।

अजहर और हुसैनी गंदी फिल्में देखते हैं यह बात असलम को पता थी। दोनों एक दो बार असलम को भी ऐसी फिल्में दिखा चुके थे। वे किशोर उम्र असलम को गांव की किसी लड़की से संबंध बना लेने को उकसाते और अपने साथ पढ़ने वाली किसी लड़की से दोस्ती कर उसे अकेले में लेकर आने की सलाह देते। नादान असलम इन दोनों की बातों में आ जो जाता लेकिन उसमें इतनी हिम्मत नहीं थी कि साथ पढ़ने वाली गांव की किसी लड़की से दोस्ती कर सके।

वास्तव में अजहर और हुसैनी की योजना तो यह थी कि अगर असलम किसी लड़की से दोस्ती करने के बाद उसे एकांत में लेकर आता है तो वे भी इस मौके का फायदा उठाने से पीछे नहीं रहेंगे।

हुसैनी ने पुलिस को बताया कि पिछले एक महीने से उसकी बेगम का रोजा था इसलिए वो उसे पास नहीं आने देती थी। यही हाल अजहर का भी था। उसकी बेगम भी उसे महीने भर से पास नहीं आने दे रही थी। इसलिए हम दोनों वासना की आंधी से परेशान थे। घटना के दिन हम दोनों ने एक अश्लील फिल्म देखी जिसमें दो लड़के आपस में यौन क्रिया कर रहे थे। यह देखकर हमारा दिमाग घूमा और हमने असलम को शिकार बनाने का फैसला कर लिया।

हम जानते थे कि असलम शाम को जिम जाता है। इसलिए जिम से लौटते वक्त हमने उसे रास्ते में रोककर कहा कि हमने एक कालगर्ल का इंतजाम किया है। अगर उसे भी मजा लेना है तो साथ चल।

असलम कालगर्ल की बात सुनकर आसानी से राजी हो गया जिसके बाद हम उसे पुराने खंडहर में ले गए जहां रस्सी से उसके हाथ पैर बांधकर दोनों ने उसके साथ कई बार बुरा काम किया। असलम ने रोते हुए यह बात घर पर बताने की बात कही तो उसी रस्सी से हमने उसका गला घोंट कर मारने के बाद लाश को कुएं में फेंक दिया। इस मामले में एसीपी अमरनाथ का कहना है कि मामले में फरार आरोपी अजहर की तलाश की जा रही है जबकि दो अन्य आरोपी अनफ और अबशार की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

मृतक के गमजदा परिजन।

दोनों की बेगम नहीं दे रही थी साथ

आरोपी हुसैनी ने पुलिस को बताया कि रोजा रखने के कारण मेरी और अजहर, दोनों की बेगम पिछले एक माह से संबंध नहीं बनाने दे रही थी। इसी के चलते उन्होंने असलम को शिकार बनाने की योजना बनाई थी।

रस्सी से कालगर्ल के हाथ पैर बांधेगे

कुएं से नाबालिग की लाश बरामद करती पुलिस।

आरोपी ने बताया कि उन्होंने असलम के हाथ पैर बांधने रस्सी पहले ही साथ ले रखी थी। असलम ने इस बारे में पूछा तो उसे बता दिया था कि कालगर्ल छोटी उम्र की है हाथ-पैर चलाएगी इसलिए रस्सी उसे बांधने के काम आएगी।

मैसेज का पूछने से आया था शक के घेरे में

आरोपी नजर अली उर्फ हुसैनी।

आरोपियों ने मृतक का मोबाइल अपने पास रख लिया था। बाद में पुलिस को भ्रमित करने इसी मोबाइल से असलम के भाई के मोबाइल पर दस लाख की फिरौती के लिए मैसेज किया था। लेकिन संयोग से भाई ने मैसेज नहीं देखा तो खुद हुसैनी ने उससे कहा कि अपना मोबाइल चेक कर लो हो सकता कोई मैसेज आया हो। हुसैनी की इसी बात से पुलिस को उसके ऊपर शक हो गया था।

...पृष्ठ 3 का शेष

पूछताछ में कपिल ने पूरी कहानी सुना दी कि किस तरह से पहले मोना ने उससे सोशल मीडिया पर दोस्ती कर अपने जाल में फंसाने की कोशिश की थी लेकिन जब वह मोना के बिछाए जाल में नहीं फंसा तो आरती ने अपना जाल फेंका। दुर्भाग्य से कपिल आरती के जाल में फंस गया था।

राजेन्द्र ने पूछताछ में बताया कि वह धार के कानवन गांव का रहने वाला है। कपिल की पत्नी उसकी मुंह बोली बहन है इसलिए जब कपिल के किडनेपर ने उससे फोन पर 12 लाख की मांग की तो बहन ने मुझे फोन पर पूरी बात बताई थी जिससे मैं अपने जीजा को छुड़ाने बदमाशों के पास आया जिससे उन्होंने मुझे भी बंधक बना लिया था।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

पुलिस को राजेन्द्र की बात समझ नहीं आ रही थी। क्योंकि जब उसे मालूम था कि कपिल को किडनेप किया गया है तो वह पुलिस को खबर करने के बजाए वहां अकेला क्यों गया। बहरहाल पुलिस ने राजेन्द्र की हरकत को ध्यान में रखते हुए जब अनिल, शुभदीप और आकाश का पुलिसिया ट्रीटमेंट किया तो तीनों ने रटे तोते की तरह बता दिया कि पूरे मामले का मास्टर माइंड राजेन्द्र ही है। उसी ने बदमाशों को आईडिया दिया था कि कपिल मालदार आदमी है। उससे लाखों रुपए आसानी से मिल सकते हैं। इसलिए उन्होंने पूरी साजिश रची थी जिसमें राजेन्द्र भी शामिल था। बदमाशों ने यह भी माना के अगर पुलिस नहीं आती तो वे अगली सुबह राजेन्द्र को पैसा लाने के लिए छोड़ने वाले थे जिससे योजना अनुसार राजेन्द्र कपिल की पत्नी से पैसा लाकर बदमाशों को सौंपने वाला था। बदमाशों से मिली जानकारी के बाद पुलिस ने राजेन्द्र को पीड़ित की सूची से निकालकर आरोपियों की सूची में शामिल कर सभी को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया जिसके बाद यह कहानी इस प्रकार सामने आई।

हरदा जिले के संपन्न किसान कपिल जाट की दोस्ती धार के कानवन गांव में रहने वाले राजेन्द्र पिता बलवंत चौहान से काफी पुरानी है। यह दोस्ती उस समय और गहरी हो गई जब राजेन्द्र ने कपिल की शादी के बाद उसकी पत्नी के संग देवर-भाभी के बजाए भाई-बहन का रिश्ता जोड़ लिया।

राजेन्द्र, कपिल का साला बन गया तो उसका आना जाना घर में काफी बढ़ गया जिससे धीरे-धीरे कपिल की पत्नी का भरोसा जीत लिया। जिससे किसी परेशानी हो या कोई खुशी कपिल की पत्नी सबसे पहले राजेन्द्र को ही उससे शामिल करने लगी। इधर राजेन्द्र की दोस्ती धार निवासी अनिल और उसकी पत्नी मोना से भी थी। अनिल अपनी पत्नी मोना मिलकर युवकों को चूना लगाने का काम करते थे। यह बात राजेन्द्र से छुपी नहीं थी।

राजेन्द्र को लेकर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस।

अनिल भी उससे अक्सर कहता रहता था कि वो मोना की मदद से बड़ा हाथ मारना चाहता है लेकिन सफल नहीं हो पा रहा। अनिल की बात सुनकर राजेन्द्र ने बड़ा मुर्गा फंसवा देने की बात कहते हुए उसके सामने फिफ्टी-फिफ्टी की पार्टनरशिप करने की शर्त रखी। अनिल ने शर्त मान ली तो उसने अपने कपिल के सोशल मीडिया की जानकारी मोना को दे दी। राजेन्द्र का कहना था कि कपिल को बंधक बनाते ही उसकी पत्नी सबसे पहले राजेन्द्र से ही मदद मांगेगी इसलिए राजेन्द्र चुपचाप उसकी पत्नी ने पैसा लाकर अनिल को सौंपकर कपिल को ले जाएगा। बात तय हो जाने पर मोना ने सोशल मीडिया पर कपिल को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजकर दोस्ती करने के बाद उसने अपने रूप जाल में फंसाने की कोशिश करने लगी। कपिल शुरूआत में तो मोना के जाल में फंसता नजर आया लेकिन बाद में वह मोना की कम उम्र और उसका आधुनिक अंदाज देखकर पीछे हट गया।

यह बात समझ में आने पर मोना ने अपने एक सहेली आरती को पूरी बात बताकर कपिल पर जाल फेंकने कहा। आरती उम्र में मोना से बड़ी थी इसलिए जब आरती ने कोशिश की तो सोशल मीडिया पर उसकी दोस्ती कपिल से गहराने लगी। जिसके बाद आरती ने कपिल ने बेहद नजदीकी का अपनापन दिखाते हुए इंदौर मिलने के लिए आने को कहा। लेकिन कपिल ने हर बार उसकी बात टाल दी।

जिसके बाद आखिरी दाव खेलते हुए आरती ने कपिल को 11 फरवरी को धार बुलाया उसने बताया कि उस रोज धार में मेरी मौसेरी बहन की शादी इसलिए उसमें शामिल होने के लिए कपिल जरूर आए। वास्तव में कपिल ऐसी दोस्तों से अकेले में नहीं मिलना चाहता था। इसलिए जब उसने देखा कि आरती से शादी में मिलना है जहां सैकड़ों दूसरे मेहमान भी होंगे तो कपिल ने हामी भर दी जिसके बाद कपिल के धार पहुंचने पर पहले आरती ने उसे अकेले कमरे में नजदीक आने का उकसाया फिर मौके पर आकर बाकी बदमाशों ने उसके ऊपर बलात्कार का आरोप लगाकर पहले पुलिस का डर और फिर पत्नी को फोन लगाकर 12 लाख की मांग की।

सब कुछ राजेन्द्र की साजिश के अनुसार चल रहा था। फिरौती का फोन आने पर कपिल की पत्नी ने सबसे पहले राजेन्द्र को ही फोन कर मदद मांगी। जिस पर राजेन्द्र ने उसे सब ठीक करने की बात कही और खुद जीजाजी को छुड़ाने के नाम पर वहां पहुंच गया जहां से भरोसा जमाने के लिए बदमाशों ने कपिल के साथ राजेन्द्र की भी पिटाई की और वीडियो काल पर कपिल की पत्नी को दिखाया ताकि वह डर कर जल्द पैसा दे दे।

साजिश के अगले चरण में 13 फरवरी को राजेन्द्र पैसा लेने के लिए कपिल के घर जाने वाला था लेकिन इससे पहले की पुलिस ने पहुंचकर न केवल कपिल को मुक्त करवा लिया बल्कि आरोपियों को गिरफ्तार कर इस मुंहबोले साले की साजिश पर से भी पर्दा हटा दिया।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

...पृष्ठ 2 का शेष

इसी बीच वेलेंटाइन-डे वीक का मौका आया तो गवेन्द्र ने रानी से हर साल की तरह इस बार भी उससे मिलने आने की बात कही। रानी ने भी उससे वादा कर लिया कि वो इन 7 दिनों में कम से कम एक बार तो उससे अवश्य मिलेगी।

वेलेंटाइन वीक मनाने गवेन्द्र 5 फरवरी को सर्वा पहुंच गया। उसे भरोसा था कि रानी किसी न किसी तरह उससे जरूर मिलेगी। लेकिन गवेन्द्र को गांव में आया देख रानी के भाई ने पूरे घर को हिदायत दे दी कि जब तक गवेन्द्र गांव में है रानी को घर से बाहर पांव न रखने दिया जाए।

यह बात गवेन्द्र को मालूम चली तो उसने रात में अपनी प्रेमिका के घर में सेंध लगाकर मिलने की ठान ली। जिसके चलते 11 फरवरी की

रात गवेन्द्र अपनी प्रेमिका के लिए चॉकलेट लेकर छत के रास्ते रानी के घर में दाखिल होकर उसके कमरे में पहुंच गया।

दोनों प्रेमी लंबे समय के बाद एक दूसरे से रुबरु हुए थे इसलिए पागलों की तरह लिपट कर एक दूसरे को अपने प्यार की बारिश से भिगोने लगे। लेकिन दुर्भाग्य से इसी बीच रानी की भाभी ने अपनी जवान ननद के कमरे से आती तेज सांसो की आवाज को सुनकर अंदाजा लगा लिया कि यह सांसे किस स्थिति का परिणाम हैं इसलिए उन्होंने अपने पति को नींद से उठाकर कहा कि देखो शायद रानी के कमरे में कोई है। इस पर रानी के बड़े भाई ने झांककर बहन के कमरे में देखा तो गवेन्द्र को अपने हाथों से रानी को चॉकलेट खिलाते देख उसका खून खौल उठा। उसने अपने दो भाईयों को जगाया और तीनों मिलकर गवेन्द्र पर टूट पड़े। इसके बाद जब देखा कि गवेन्द्र के अब जिंदा बचने की कोई उम्मीद नहीं है तो उसे उठाकर घर के बाहर फेंक दिया।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

एक कछुएने बदल दी पूरी विरादरी की थ्यौरी

पचासों साल बीत जाने के बाद भी खरगोश और कछुआ के बीच दौड़ वाली कहानी आज भी दादा-दादी, नाना-नानी की फेवरेट बनी हुई है जिसे वो शान केसाथ नई जनरेशन को सुनाते हैं। लेकिन एक कछुआ ने वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया है। इस कछुए ने 3500 किमी की यात्रा करके यह साबित कर दिया कि कछुए पहले जितना सोचा जाता था, उससे कहीं च्यादा घूमते हैं। यह कछुआ है मादा ओलिव रिडल 03233, जिसने ओडिशा

से महाराष्ट्र तक का सफर तय किया। पहले यह माना जाता था कि पूर्वी और पश्चिमी तटों पर कछुए अलग-अलग जगहों पर घोंसला बनाते हैं। अब इस यात्रा ने इस विचार को गलत साबित कर दिया है।

जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. बसुदेव त्रिपाठी ने 18 मार्च, 2021 को ओडिशा के गहिरमाथा बीच पर एक सामूहिक घोंसला बनाने की गतिविधि के दौरान इस कछुए को टैग किया था। टैग लगाना मतलब कछुए के पंखों पर एक निशान लगाना जिससे उसकी पहचान हो सके।

इस साल 27 जनवरी को, वैज्ञानिक उस समय हैरान रह गए जब वही कछुआ गुहागर बीच पर घोंसला बनाते हुए पाया गया।

अनुमान है कि कछुए ने पूर्व से पश्चिम तट तक कम से कम 3500 किलोमीटर की यात्रा की है। यह बात पहले से ही पता है कि ओलिव रिडले कछुए दिसंबर से मार्च तक कई बीचों पर घोंसला बनाते हैं। लेकिन, यह पहली बार रिकॉर्ड किया गया है कि किसी कछुए ने एक ही समय में दो अलग-अलग बीचों पर घोंसला बनाया और उनके बीच यात्रा भी की। वैज्ञानिकों का कहना है कि कछुए ने ओडिशा से श्रीलंका तक का रास्ता तय किया होगा, और फिर वहां से महाराष्ट्र के रत्नागिरी तक आई होगी।

डॉ. कुमार ने बताया कि दशकों से, वैज्ञानिकों का मानना था कि दोनों तटों पर घोंसला बनाने वाली कछुओं की आबादी अलग-अलग है और उनके बीच कोई संबंध नहीं है। लेकिन, टैग लगाने से मिली नई जानकारी से यह बात गलत साबित हो गई है।

नीमच

बहन के साथ पकड़ विवाह करवाने तहसीलदार ने पटवारियों की मदद से किया जनपद सीईओ का अपहरण

demo pic.

तहसीलदार & 5 पटवारी

तहसीलदार की मौसेरी बहन सीमा सिंह के साथ जनपद सीईओ का याराना पुराना था। कुछ समय तक दोनों के लिव-इन-रिलेशन में साथ रहने की बात भी सामने आ रही है। लेकिन बाद में दोनों के प्रेम का धागा टूट गया जिसमें सीमा सिंह गांठ बांधकर जोड़ने की कोशिश कर रही थी।

6 और सात फरवरी की रात नए प्रेमी जोड़ों के लिए बड़ी महत्वपूर्ण होती है। नए प्यार का नया नशा और सुबह के सूरज के साथ होने वाले वेलेंटाइन-डे वीक की शुरूआत के इंतजार में नए प्रेमी जोड़ो को रात भर नींद भी नहीं आती। लेकिन इस ऐसे मौके पर सिर्फ इतना ही नहीं होता, कुछ और भी होता है जो छह फरवरी की रात 12 बजे नीमच स्थित आफिसर कॉलोनी में रहने वाले जावद सीईओ आकाश धारवे के निवास पर हो रहा था।

दो गाड़ियों में एक खूबसूरत युवती के साथ भरकर आए दर्जन भर लोग आकाश धारवे के संग मारपीट करते हुए साथ आई युवती सीमा सिंह (बदला नाम) को पत्नी के तौर पर साथ रखने का दबाव बना रहे थे। संयोग से आकाश के बड़े भाई सुरेश और अन्य परिजन उस रोज नीमच में मौजूद थे सो इन सबके सम्मिलित विरोध के कारण सीमा सिंह को आकाश चौखट के अंदर नहीं आने दे रहा था। विवाद की जानकारी लगने पर पुलिस मौके पर पहुंची। चूंकि विवाद में दोनों पक्ष में सरकारी अधिकारी शामिल थे एक तरफ जनपद सीईओ आकाश धारवे था तो दूसरी तरफ सीमा की तरफ से आए लोगों में सीमा को मौसेरा भाई जगदीश रंधावा शामिल था जो इंदौर जिले की बेटमा तहसील में तहसीलदार के पद पर पदस्थ था। इसके अलावा उसके साथ काम करने वाले पांच पटवारी और कुछ अन्य लोग भी शामिल थे इसलिए पुलिस ने मामला दर्ज करने के बजाए दोनों पक्ष को समझाबुझा कर विवाद शांत करवा दिया।

यहां सोचने वाली बात यह है कि तहसीलदार जैसे सम्मानित पद पर पदस्थ व्यक्ति अपनी निहायत ही खूबसूरत तथा शिक्षित बहन सीमा सिंह को यूं ही तो किसी युवक के घर में पत्नी की तरह दाखिल करने की कोशिश नहीं करता, यानी कुछ न कुछ तो ऐसा था जिसके लिए वह सीईओ आकाश पर दबाव बना रहा था कि वो उसकी बहन को अपनी पत्नी स्वीकार कर साथ रखे। इसलिए जो विवाद रात में शांत हो गया था वह फिर नहीं होगा ऐसा विश्वास नहीं किया जा सकता था।

अगले दिन यही हुआ। विवाद से बचने के लिए आकाश के बड़े भाई सुरेश ने उसे कुछ दिनों के लिए गांव चलकर रहने को कहा। इससे सुबह साढे सात बजे के आसपास दोनों भाई अपने गांव गंगधार के लिए निकले की तभी रास्ते में दो गाड़ियों में तहसीलदार जगदीश सिंह अपनी बहन सीमा के अलावा दर्जन भर लोगों के साथ पहुंचे और मारपीट करने के बाद आकाश को अपनी गाड़ी में बैठाकर ले उड़े।

इधर भाई सुरेश ने तत्काल इस अपहरण की सूचना जावद थाने को दी जिससे एसपी अंकित जायसवाल के निर्देश पर एएसपी नवल सिंह भदौरिया के नेतृत्व में दो गाड़ियों में सवाल 30 पुलिस कर्मियों की दो टीम सीईओ का अपहरण कर भागी काली स्कार्पियो गाड़ी के पीछे लग गए। अधिक संभावना यही थी कि आरोपी अपहृत को लेकर इंदौर की तरफ जा सकते हैं। पुलिस के इस अनुमान से तहसीलदार जगदीश भी वाकिफ थे इसलिए नीमच से आगे आकर उन्होंने गाड़ी कच्चे रास्तों से होकर इंदौर की तरफ डाल दी ताकि पुलिस उनके राजस्थान तरफ जाने के भ्रम में रहे। लेकिन साइबर की एक टीम लगातार लोकेशन ट्रेस कर रही थी इसलिए गाड़ी के नागदा तरफ जाने की खबर पाकर नागदा पुलिस को अलर्ट कर दिया गया जिससे चार घंटे बाद ही सादी वर्दी में बेरिकेट लगाकर खड़ी नागदा पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से सीईओ आकाश धारवे को मुक्त करवा लिया।

इधर आरोपियों के पकड़े जाने के बाद पुलिस यह जानकर चौंक उठी की अपहरण करने वाले आरोपियों में न केवल बेटमा तहसीलदार जगदीश रंधावा शामिल थे बल्कि तहसीलदार के कहने पर उनके पांच अधीनस्थ पटवारी भी इस क्राइम में शामिल थे। इसलिए पुलिस ने सीमा सिंह के अलावा उसके तहसीलदार मौसेरे भाई और पांच पटवारी सहित कुल 13 आरोपियों को अपहरण एवं मारपीट के आरोप में अदालत में पेश किया जहां से उनको जेल भेज दिया गया। जिसके बाद यह कहानी इस प्रकार सामने आई।

अपहृत सीईओ आकाश धारवे और आरोपी युवती सीमा सिंह धार जिले के एक ही गांव के रहने वाले हैं। दोनों बचपन में एक ही स्कूल में साथ पढ़े हैं। इसलिए बचपन की उनकी दोस्ती जवानी में आकर प्यार में बदल गई। कॉलेज की पढ़ाई करने के बाद प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए दोनों इंदौर आ गए। इस दौरान बताया जाता है कि 2012-13 में दोनों कुछ समय तक लिव-इन-रिलेशन में एक दूसरे के साथ रहे लेकिन बाद में उनका ब्रेकअप हो गया।

लेकिन ब्रेकअप के बाद भी एक ही गांव के होने के कारण उनका आपस में मिलना-टकराना होता रहा। इसी बीच आकाश धारवे का चयन जनपद पंचायत में मुख्य कार्यपालन अधिकारी के तौर पर हो गया। चूंकि दोनों एक ही गांव के थे और उनके लिव इन में रहने की बात कई लोगों को मालूम थी इसलिए 2023 में सीमा ने आकाश से संपर्क कर अपने साथ शादी करने को कहा। लेकिन आकाश ने इस पर साफ मना कर दिया। आकाश और सीमा दोनों एक ही समाज के हैं और उनकी समाज में पंचायत की बड़ी भूमिका मानी जाती है। इसलिए आकाश द्वारा शादी से मना करने पर सीमा के परिवार वालों ने गांव में पंचायत बुलाई जिसमें आकाश धारवे को भी बुलाया गया। पंचायत के सामने सीमा और आकाश ने अपना-अपना पक्ष रखा जिसमें पंचायत ने पाया कि आकाश ने शादी का वादा का सीमा के साथ नजदीकी का रिश्ता रखा है इसलिए गांव की पंचायत ने आकाश को निर्देश दिया कि वह सीमा को अपनी पत्नी मानकर साथ रखे। लेकिन आकाश ने पंचायत का निर्णय नहीं माना और सीमा को साथ रखने के बजाए अकेला ही जावद अपनी ड्यूटी पर वापस आ गया।

पंचायत का फैसला न मानने के कारण गांव के पंच भी आकाश से खुश नहीं थे। दूसरी तरफ सीमा का मौसेरा भाई जगदीश रंधावा भी राजपत्रित अधिकारी के तौर पर इंदौर की बेटमा तहसील में तहसीलदार के पद पर पदस्थ है इसलिए उसे आकाश का यह व्यवहार सहन नहीं हुआ। जिसके चलते उसने सीमा से वादा किया कि वो उसे उसका हक दिलवाकर ही रहेगा।

इसके लिए जगदीश के कहने पर सीमा पांच फरवरी को गांव से बेटमा आई जहां से छह फरवरी की शाम को जगदीश रंधावा अपने अधीनस्थ पांच पटवारी और कुछ अन्य लोगों को लेकर नीमच में आकाश धारवे के शासकीय निवास पर पहुंचा जहां सीमा ने जबरन पत्नी बनकर आकाश के घर में दाखिल होने की कोशिश की लेकिन विवाद बढ़ने पर पुलिस ने दोनों पक्षों में मामला शांत करवा दिया। लेकिन बताते हैं कि तहसीलदार ने अपनी बहन से वादा किया था कि वो उसे न्याय दिलवाकर ही रहेंगे इसलिए अगले ही दिन उन्होंने आकाश का उस समय अपहरण कर लिया जब वह विवाद के डर से नीमच छोड़कर गांव गंगधार जा रहा था। इधर घटना के बाद गांव वालों का कहना है कि समाज में पंचायत का फैसला मानना सबको जरूरी है। आकाश को भी पंचायत का फैसला मानना चाहिए।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

पुरानी दोस्ती है दोनों में

जनपद सीईओ आकाश धारवे जिसका अपहरण हुआ।

आकाश का भी मानना है कि सीमा से उसकी पहले दोस्ती रही है लेकिन बाद में दोनों में ब्रेकअप हो गया था। दोनों के दो साल तक लिव-इन में रहने की भी चर्चा है। ब्रेकअप के बाद सीमा ने 2023 में आकाश से फिर संपर्क किया था तब आकाश के मना करने पर गांव में सीमा के परिवार ने पंचायत भी बुलाई थी। पंचायत ने आकाश को आदेश दिया था कि वो सीमा को साथ रखे लेकिन आकाश ने पंचायत का फैसला नहीं माना था।

पुलिस गिरफ्त में अपरहण के आरोपी।

लड़की के घर आने पर पंचायत बुलाने का रिवाज

बताया जा रहा है कि आकाश और सीमा की पंचायत के नियमानुसार अगर एक बार लड़की युवक के घर आ जाए तो फिर पंचायत की उसका फैसला करती है। इसीलिए सीमा ने 6 फरवरी की रात में आकाश के घर में दाखिल होने की कोशिश की थी। गांव वालों का मानना है कि इस हिसाब से अब पुनः पंचायत बुलाई जाना चाहिए।

इन्हें बनाया आरोपी

इस मामले में पुलिस ने बेटमा तहसीलदार जगदीश रंधावा निवासी ग्राम अंजताड़ जिला धार, प्रमोद पुत्र रणछोड़सिंह मुजाल्दा निवासी ढाणा जिला धार, पिंकी सिंह पुत्री भावसिंह, अजय पुत्र भादवसिंह, अजय पुत्र नरसिंह तीनों निवासी ग्राम काबरवा जिला धार, राम पुत्र संतोष सांकले निवासी धतूरिया, सर्रू पुत्र लालसिंह मोरी निवासी बड़खेड़ा। पटवारी देपालपुर अमित पुत्र बलबहादुर निवासी इंदौर, पटवारी देपालपुर अमित पुत्र मांगीलाल राजपूत निवासी लिंबोदी इंदौर, अंकित सिंह पुत्र सत्येंद्र सिंह सुखलिया इंदौर, पटवारी देपालपुर लखन पुत्र अशोक मालवीय निवासी इंदौर, पटवारी देपालपुर दिलीपसिंह पुत्र बापूसिंह सिंगाड़ा निवासी देवास नाका इंदौर, पटवारी देपालपुर राहुल पुत्र रामस्वरुप निवासी इंदौर को आरोपी बनाया है।